M.A.-I (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) Semester - II

MAPPCBCS204 - Suttapitak Va Bhashavidnyan-II

P. Pages : 5 **GUG/S/23/10358**

Time : Three Hours * 0 7 7 9 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो जीवको कोमारभच्चो येन भगवा तेनुपसङ्कमि, उपसंङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो जीवको कोमारभच्चो भगवन्तं एतदवोचं - "सुत्तं मेतं, भन्ते - समणं गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समणो गोतमो जानं उद्दिस्सकतं मंसं परिभुज्जति पटिच्चकम्मं' ति। ये ते, भन्ते, एवमाहंसु समणं गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समणो गोतमो जानं उद्दिस्सकतं मंसं परिभुज्जति पटिच्चकम्मं ति, कच्चि तें, भन्ते, भगवतो वुत्तवादिनो न च भगवन्तं अभूतेन अब्भाचिक्खन्ति, धम्मस्स आनुधम्मं ब्याकरोन्ति, न च कोचि सध्धम्मिको वादानुवादो गारय्हं ठानं आगच्छती' ति?

किंवा / अथवा

एवं वुत्ते, उपालि गहपति भगवन्तं एतदवोच - "साधु साधु, भन्ते तपस्सी। 'यथा तं सुत्तवता सावकेन सम्मदेव सत्थुसासनं आजानन्तेन एवमेवं दीघतपस्सिना निगण्ठेन भगवतो ब्याकतं किं हि सोभति छवो मनोदण्डो इमस्स एवं ओळारिकस्स कायदण्डस्स उपनिधाय? अथ खो कायदण्डो व महासावज्जतरो पापस्स कम्मस्स किरियाय पापस्स कम्मस्स पवत्तिया, नो तथा वचीदण्डो, नो तथा मनोदण्डो' ति। 'सचे खो त्वं, गहपति, सच्चे पतिट्ठाय भन्तेय्यासि सिया नो एत्थ कथासल्लापो" ति। 'सच्चे अहं, भन्ते, पतिट्ठाय भन्तेस्सामि, होतु नो एत्थ कथासल्लपो ' ति।

ब) मज्झिमनिकायाचे पालि साहित्यात महत्त्वं सांगा. **6**
मज्झिमनिकाय का पालि साहित्य में महत्त्वं बताईए।

किंवा / अथवा

तथागताचे मांसाहाराविषयीचे विचार सांगा.
तथागत के मांसाहार संदर्भ के विचार बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) पुनापरं यदा होमि चूलबोधि सुसीलवा।
भवं दिस्वानं भयती नेक्खम्मं अभिनिक्खमिं॥

2) या मे दुतियिका आसिं ब्राह्मणी कनकसन्निभा।
सा पि वट्टे अनपेक्खा नेक्खम्मं अभिनिक्खमि॥

3) निरालया छिन्न बन्धु अनपेक्खा कुले गणे।
चरन्ता गामनिगमं वाराणासिमुपागमुं॥

4) तत्थ वसाम निपका अससट्ठा कुले गणे।
निराकुले अप्पसद्दे राजय्याने वसामुभो॥

किंवा / अथवा

1) पुनापरं यदा होमि महिसो वनचारिको।
पवड्ढकायो बलवा महन्तो भीम दस्सनो॥

2) पब्भारे गिरिदुग्गं च रुक्खमूले दकासये।
हातेत्थ ठाण महिसानं कोचि कोचि तहिं तहिं॥

3) विचरन्तो ब्रहारञ्ञे ठानं अद्दस भद्दकं।
तं ठानं उपगन्त्वानं तिट्ठामि च सयामि च॥

4) अथेत्थ कपिमागन्त्वा पापो अनरियो लहु।
खन्दे नलाटे भमके भत्तेति ओहनेति तं॥

ब) 'मातुपोसक चरियं' चा सारांश लिहा. **6**
"मातुपोसक चरियं" का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

शीलपारमिताच्या आधारे शीलाचे महत्त्वं सांगा.
शीलपारमिता के आधार से शील का महत्त्वं बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) नङ्गलेहि कसं खेत्त, बीजानि पवपं छमा।
पुत्तदारानि पोसेन्ता, धनं विन्दन्ति माणवा॥

2) किमहं सीलसम्पन्ना, सत्थुसासनकारिका।
निब्बानं नाधिगच्छामि, अकुसीता अनुध्दता॥

3) पादे पक्खालयित्वान, उदकेसु करोमहं।
पादोदकञ्च दिस्वान, थलत्तो निन्नमागतं॥

4) तत्तो चित्तं समाधेसिं, अस्सं भद्र व जानियं।
ततो दीपं गहेत्वान, विहारं पाविसिं अहं।
सेय्यं ओलोकयित्वानं, मञ्चकम्हि उपाविसिं॥

किंवा / अथवा

1) जानन्ती च तुवं भोति, पुण्णिके परिपुच्छसि।
करोन्तं कुसलं कम्मं, रुन्धन्तं कतपापकं॥

2) यो च वुड्ढो दहरो वा, पापकम्मं पकुब्बति।
दकाभिसेचना सोपि, पापकम्मा पमुच्चति॥

3) को नु ते इदभक्खासि, अजानन्तस्स अजानको।
दकाभिसेचना नाम, पापकम्मा पमुच्चति॥

4) सग्गं नून गमिस्सन्ति, सब्बे मण्डूककच्छपा।
नागा च सुसुमारा च, ये चञ्ञे उदके चरा॥

ब) "सौंदर्य नश्वर आहे" हे आम्रपालिने कसे सांगितले. **6**
"सौंदर्य नश्वर है" यह आम्रपालि ने कैसे बतलाया।

किंवा / अथवा

पालि साहित्यात थेरीगाथेचे महत्त्वं सांगा.
पालि साहित्य मे थेरीगाथा का महत्त्वं बताईए।

4. अ) भाषा म्हणजे काय? भाषेचे स्वरुप स्पष्ट करा. **10**
भाषा याने क्या, भाषा का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

भारतीय भाषेत पालिचे स्थान व महत्त्व स्पष्ट करा.
भारतीय भाषा में पालि का स्थान और महत्त्वं स्पष्ट कीजिए।

ब) पालि भाषेच्या उत्पतिविषयी सांगा. **6**
पालि भाषा के उत्पत्तिसंदर्भ में बताईए।

किंवा / अथवा

भाषाशास्त्रानुसार भाषेचा अर्थ सांगा.
भाषाशास्त्र के अनुसार भाषा का अर्थ बताईए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए। **कोई भी दो।**

1) मज्झिमनिकाय
2) चरियपिटक
3) पारमिता
4) पालि भाषेची संरचना / पालि भाषा की संरचना

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
सही विकल्प चुनिए।

1) मज्झिमनिकायाचे किती पण्णासक आहेत.
मज्झिमनिकाय के कितने पण्णासक है।
अ) एक ब) दोन / दो
क) तीन ड) चार

2) उपालिसुत्त कुठे येते.
उपालिसुत्त कहाँ आता है।
अ) दीघनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) अंगुत्तरनिकाय ड) खुद्दकनिकाय

3) सुत्तपिटकाचे किती निकायात विभाजन होते.
सुत्तपिटक के कितने निकाय में विभाजन होता है।
अ) तीन ब) चार
क) पाच ड) सहा

4) बुध्दाचे मांसाहाराविषयीचे विचार या सुत्तात आहे.
बुध्द का मांसाहार विषय में विचार इस सुत्त में है।
अ) उपालि ब) जीवक
क) भूरिदत्त ड) भोजनसुत्तं

5) खुद्दकनिकाय कुठे येतो.
खुद्दकनिकाय कहाँ आता है।

अ) सुत्तपिटक ब) विनयपिटक
क) चरियपिटक ड) अभिधम्मपिटक

6) पारमिता किती आहेत.
पारमिता कितनी हैं।

अ) 04 ब) 08
क) 10 ड) 24

7) भिक्खूंणीसाठी पातिमोक्खाचे नियम किती.
भिक्खूणी के लिए पातिमोक्ख के नियम कितने।

अ) 227 ब) 311
क) 314 ड) 335

8) पालि भाषेत किती सर आहेत.
पालि भाषा में कितने सर है।

अ) 07 ब) 08
क) 09 ड) 10

9) आम्रपालि कुठे राहत होती.
आम्रपालि कहाँ रहती थी।

अ) श्रावस्ती ब) राजगृह
क) वैशाली ड) कूशीनगर

10) गोतम बुध्दाचे महापरिनिब्बाण कुठे झाले.
गोतम बुध्द का महापरिनिब्बाण कहाँ हुआ।

अ) कुसीनारा ब) राजगृह
क) कपिलवस्तू ड) लुंबिनी

****